

Fourteenth Loksabha**Session : 7****Date : 09-03-2006****Participants : Chatterjee Shri Somnath, Kripalani Shri Srichand**

>

Title : Resentment among the Hindus over alleged remarks made against the Hindu gods, goddesses, prominent saints and philosophers in a book titled 'Hakikat' by M.G.Mathew and published by Emanuel Mission Society in Kota, Rajasthan.

श्री श्रीचन्द कृपलानी : अध्यक्ष महोदय, आप नाराज होकर अच्छे नहीं लगते हैं।...(व्यवधान)

मेरे संसदीय क्षेत्र कोटा में इम्मानुएल मिशन एक संस्था है, जिसमें पिछले 21 वॉर् से अराट्रीय गतिविधियां चल रही हैं। मैं इसी संबंध में आपसे निवेदन करना चाहता हूं। लेकिन इससे पहले मैं कहना चाहता हूं पिछले दिनों इसी मिशन द्वारा एक पुस्तक, जो एम.जी. मैथ्यू ने लिखी थी...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

श्री श्रीचन्द कृपलानी : आप पहले मेरी बात सुनिए।...(व्यवधान)[\[c16\]](#)

इस पुस्तक में हिन्दुओं के देवताओं और देवियों के खिलाफ ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Only Shri Kriplani's statement will go on record.

(Interruptions) ...*

MR. SPEAKER: Please do not make any allegation against any other community.

श्री श्रीचन्द कृपलानी : मैं किसी पर आरोप नहीं लगा रहा हूं।...(व्यवधान) आप मेरी बात सुनिये। मैं इनको भी बताना चाहता हूं कि इस पुस्तक के ...(व्यवधान)

* Not Recorded.

अध्यक्ष महोदय : आप हमें बताइये।

...(व्यवधान)

श्री श्रीचन्द कृपलानी : आप मेरी बात सुनिये। सिर्फ हिन्दुओं ने ही इस पुस्तक का विरोध नहीं किया है, बल्कि ईसाई, मुस्लिम तथा सभी लोगों ने इसका विरोध किया है। ईसाईयों ने इस पुस्तक के खिलाफ ज्ञापन देकर कलैक्टर के यहां प्रदर्शन किया है। मुसलमानों ने वहां इस लेखक का पुतला जलाया है तथा समस्त हिन्दू तो इस पुस्तक को लेकर पहले ही आक्रोशित हैं। ... (व्यवधान) महोदय, कहने को तो इस पुस्तक में बहुत सी बातें हैं, लेकिन अगर मैं यहां इस पुस्तक की पांच-सात लाइनें पढ़कर सुना दूं... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : नहीं, अभी नहीं। That cannot be done.

श्री श्रीचन्द कृपलानी : इस पुस्तक में भगवान राम, कृष्ण, शिव, गंगा माता, साई बाबा, भगवान महावीर, विवेकानन्द सरस्वती, आर्य समाज, कुम्भ मेला तथा किसी भी महापुरा और देवी, देवता को नहीं छोड़ा गया है। ... (व्यवधान) मेरा निवेदन है... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप क्या कर रहे हैं। आप उन्हें डिस्टर्ब कर रहे हैं। यह क्या बात है।

...(व्यवधान)

श्री श्रीचन्द कृपलानी : इस पुस्तक में कहा गया है... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह नया तरीका हो गया है You are disturbing him. An hon. Member of your Party is speaking and you are disturbing him. यह एक नया तरीका देखने में आ रहा है। प्लीज आप बैठ जाइये।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : सर, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है। बिना परमीशन के यहां पुस्तक को कैसे पढ़ रहे हैं।... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: There is no point of order during 'Zero Hour'. Please sit down. I have been requesting and very humbly submitting that nobody is bound by anybody's statement. If that were so, it would have been a different situation. Every Member is arguing with another Member. Here is the Opposition and here is the Ruling Party. There are other Members also. There are different perceptions, different policies and programmes. How can anybody say something which must be accepted by everybody? We must learn the art of listening. Otherwise, if you want an opportunity according to

the rules, I shall give you that opportunity. Nobody is prepared to listen. जनाब, आप थोड़ा ब्रीफली बोल दीजिए।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : ऐसी कोई बात नहीं कही जायेगी...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded.

(Interruptions) ...*

श्री श्रीचन्द कृपलानी : इसमें हिन्दुओं के खिलाफ...(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : मुसलमानों के खिलाफ लिखते हैं, तो सारी दुनिया इकट्ठी हो जाती है।...(व्यवधान)

श्री श्रीचन्द कृपलानी : इस पुस्तक में कहा गया है*..... इसके अंदर भगवान शिव, राम, कृष्ण, स्वामी दयानन्द सरस्वती, स्वामी विवेकानन्द, माता अमृता, गंगा मां, कुम्भ मेला आदि के बारे में आपत्तिजनक बातें लिखी गई हैं और किसी देवी, देवता को नहीं छोड़ा गया है। इसलिए मेरा निवेदन है...(व्यवधान)

श्री रघुवीर सिंह कौशल (कोटा) : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत गम्भीर मामला है, मैं अपने आपको इससे सम्बद्ध करता हूं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सबके नाम हैं, सभी के नाम एसोसिएट करेंगे।

श्री श्रीचन्द कृपलानी : आप मेरी पूरी बात सुनिये, मैं कहना चाहता हूं कि इममानुएल मिशन सोसायटी...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : श्री सुभा महारिया, श्री पुष्प जैन, श्री बी.एस.डांग्रावास, श्री निहाल चंद चौहान, श्रीमती किरण माहेश्वरी, श्री महावीर भगोरा, श्री गिरधारी लाल भार्गव, प्रो. रासा सिंह रावत, श्री वी.पी. सिंह, श्रीमती सुशीला बंगारु लक्ष्मण, श्री जसवंत सिंह विश्नोई तथा श्री रघुवीर सिंह कौशल के नाम इस मामले से सम्बद्ध किये जाते हैं।

श्री श्रीचन्द कृपलानी : मेरा निवेदन है कि इस पुस्तक को बैन करके डिस्ट्रॉय करने के लिए राजस्थान सरकार को निर्देश दिया जाए। ...(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : इस पुस्तक पर प्रतिबंध लगाया जाए।

* Not Recorded.

MR. SPEAKER: He has made his submission. Other hon. Members who have given notices on this, will be associated. The names of all the hon. Members who have given the notices, will be associated.

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमने बोल दिया है।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: If you are not prepared to work, let us then adjourn the House [\[R17\]](#).

12.25 hrs.

*(At this stage Shri Srichand Kriplani and some other
hon. Members came and stood on the floor near the Table)*

अध्यक्ष महोदय : कृपलानी जी, ऐसे नहीं चलेगा, आप अपनी सीट पर जाइए।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: No, you cannot do that.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2.00 p.m.

12.25 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock[\[KD18\]](#).
